

## ॥ সূচীপত্র ॥

|       |                                 |      |    |
|-------|---------------------------------|------|----|
| ৪৭১৬। | ( আমি ) তোমারেই পেতে চেয়েছি    | ...  | ১  |
| ৪৭২৭। | লক্ষ রূপে দেখেছি তোমায়         | .... | ২  |
| ৪৭২৮। | প্রাণের প্রদীপ জ্বালিয়ে দিলে   | .... | ৪  |
| ৪৭২৯। | শোণ শোণ শোণ                     | ...  | ৬  |
| ৪৭৩০। | ভালবাস ভুবনে তুমি               | .... | ৭  |
| ৪৭৩১। | মোর মনের মধুর                   | ...  | ৯  |
| ৪৭৩২। | পরশমণি তুমি পরশমণি              | ...  | ১১ |
| ৪৭৩৩। | আঁখিয়া তুমহিকো চাহ্‌তী হ্যায়। | ...  | ১৩ |
| ৪৭৩৪। | জয় জয় জয়, জয় প্রভু তোমারই   | .... | ১৪ |
| ৪৭৩৫। | বলাকার দল চলে যায়              | ...  | ১৫ |
| ৪৭৩৬। | তোমারে চেয়েছি আমি              | ...  | ১৬ |
| ৪৭৩৭। | আমার মাধবীকুঞ্জে মাধব এসেছে     | ...  | ১৯ |
| ৪৭৩৮। | আমার গোপন কথা সবই আছে           | ...  | ২১ |
| ৪৭৩৯। | তুমি যখন এলে আমি তখন ঘুমে       | ...  | ২২ |
| ৪৭৪০। | আলো-ঝলমল শারদ সঁঝে              | ...  | ২৪ |
| ৪৭৪১। | তমসা দূর হল অজানা পথিক          | ...  | ২৬ |
| ৪৭৪২। | তোমার মাঝারে কত মহাবিশ্ব নিহিত  | ...  | ২৮ |
| ৪৭৪৩। | তোমার আশে রঙ যে হাসে,           | ...  | ২৯ |
| ৪৭৪৪। | কালসাগর পেরিয়ে ঘন তমসার পরে    | ...  | ৩০ |
| ৪৭৪৫। | তোমার আমর এই পরিচয় কবে থেকে'   | ...  | ৩৩ |
| ৪৭৪৬। | আজকে তোমায় কাছে পেলুম।         | .... | ৩৫ |
| ৪৭৪৭। | তোমারে দেখেছি মর্মেরই মাঝে,     | .... | ৩৭ |
| ৪৭৪৮। | তুমি যদি না এলে প্রিয়          | ...  | ৫৮ |
| ৪৭৪৯। | গোপীজন পল্লভ মেল আঁখিপল্লব      | ...  | ৪১ |
| ৪৭৫০। | ক্রমর আসিয়া কয়ে গেল কাণে      | ...  | ৪২ |

( ৪৭২৬ )

(আমি) তোমারেই পেতে চেয়েছি, তোমারেই ঘিরে' যত আশা।

তোমারই তরে যুগ যুগ ধরে' বায়ে বায়ে যাওয়া আসা ॥

আমি মহাকাশ পানে চেয়েছি, তারাদের গান শুনেছি।

সবারে উপচি' ভেসেছে তোমার জ্যোৎস্না রাতের ভাষা ॥

আমি অরুণ আলোতে জেগেছি, পান্থীর কুঞ্জে মেতেছি।

সবার উপরে রয়ে গেছে তব শাস্ত্রত ভালবাসা ॥

( মধুকোরক, কলিকাতা, ৩০।১.২০ )

তাল—দাদরা

|     | ০        | ১         | ০        |              |
|-----|----------|-----------|----------|--------------|
|     |          |           |          | ধা ধা I      |
|     |          |           |          | আ মি         |
| II  | সা মা মা | মা মা গা  | মা পা ধা | ধা ধা ধা I   |
|     | তো মা রে | ই পে তে   | চে যে ছি | ০ ০ ০        |
| I   | ধা পা সা | সা সা সা  | ধা পা ধা | মা মা মা I   |
|     | তো মা রে | ই ঘি রে   | য ত আ    | শা আ আ       |
| I   | সা রা মা | মা মা মা  | গা সা রা | সা সা সা I   |
|     | তো মা র  | ই ত রে    | যু গ যু  | গ ধ রে       |
| I   | মা পা ধা | ধা পা ধা  | পা মা মা | মা মা মা II  |
|     | বা রে বা | রে যাও যা | আ সা ০   | ০ ০ ০        |
|     |          |           |          | ধা ধা I      |
|     |          |           |          | আ মি         |
| II[ | সা মা মা | মা মা গা  | মা পা ধা | ধা ধা ধা ]Is |
|     | ম হা কা  | শ পা নে   | চে যে ছি | ০ ০ ০        |
| I   | ধা গা সা | সা সা সা  | গা সা ধা | ধা ধা ধা I   |
|     | তা রা দে | র গা ন    | শু গে ছি | ০ ০ ০        |
| I   | সা রা মা | মা মা মা  | গা সা রা | সা সা সা I   |
|     | স বা রে  | উ প চি    | ভে সে ছে | তো মা র      |

I মা পা ধা | ধা পা ধা I পা মা যা | মা মা মা II  
 জ্যো ৎ স্না রা তে র ভা ষা ০ ০ ০

তোমারেই ঘিরে.....যত আশা

| ধা ধা I  
 আ মি

II{ সা মা মা | মা মা গা I মা পা ধা | ধা ধা ধা } S  
 অ রু গ আ লো তে জে গে ছি ০ ০ ০

I ধা না সী | সী সী সী I পা সী ধা | ধা ধা ধা I  
 পা খী র কু জ নে মে তে ছি ০ ০ ০

I সী রী মী | মী মী মী I গী সী রী | সী সী সী I  
 স বা র উ প রে র য়ে গে ছে ত ব

I মা পা ধা | ধা পা ধা I পা মা মা | মা মা মা II II  
 শা ০ ষ ত ভা লো বা সা ০ ০ ০

তোমারেই ঘিরে .. ...

( ৪৭২৭ )

লক্ষ রূপে দেখেছি তোমায়. তবু কিছুতেই চিনতে নারি।  
 (আজ) রূপের হে জাহ্নগর আমায় দাও পরিচয় করুণা করি' ॥  
 যুগে যুগে চেয়ে গেছি, নিজের দায়িত্ব না ভেবেছি।  
 আজ তোমারে চাই হে প্রভু. বিনিময়ে আমার 'আমি'-রই ॥  
 গুরু এবার দেবার পালা কান্না-হাসি অশনি-জ্বালা।  
 পাওয়ার স্মৃতি নিজেই ভোলা, ছিলুম তোমার চরণ স্মরি' ॥  
 ( মধুকোরক, কলিকাতা, ৩১।১।৯০ )

তাল : দাদরা

১ ০ ১' ০  
 II † † সা | রা সা না I সা সা সা I রা রা রা I  
 ০ ০ ল ক্ষ রূ পে দে খে ছি তো মা য

I    ৷    ৷    সা    |    রা    সা    না    I    পা    পা    পা    |    মা    গা    গা    I  
          ০    ০    ল            ক্ষ    রু    পে            দে    থে    ছি            তো    মা    য

I    রা    রা    রা    |    গা    মা    গা    I    রা    রা    গা    |    রা    সা    সা    I  
          ত    বু    কি            ছু    তে    ই            চি    ন্    তে            না    ০    রি

I    ৷    ৷    মা    |    রা    সা    না    I    সা    সা    সা    |    রা    রা    রা    I  
          (আ জ) রু            পের হে জা            ছু    গ    র            আ    মা    য

I    ৷    ৷    ৷    |    রা    সা    না    I    পা    পা    পা    |    মা    গা    ৷    I  
          ০    ০    রু            পের হে জা            ছু    গ    র            আ    মা    য

I    রা    রা    রা    |    গা    মা    গা    I    রা    রা    গা    |    রা    সা    সা    II  
          দা    ও    প            রি    চ    য            ক    রু    গা            ক    রি    ০

দাও পরিচয়... ..

II[ গা    গা    গা    |    মা    পা    পা    I    না    ধা    পা    |    পা    পা    পা    ]I  
          যু    গে    যু            গে    চে    য়ে            ০    গে    ছি            ০    ০    ০

I    মা    মা    পা    |    পা    মা    মা    I    পা    মা    গা    |    গা    ৷    ৷    I  
          নি    জের    দা            য়ি    ঙ    না            ভে    বে    ছি            ০    ০    ০

I    গা    গা    গা    |    গা    রা    রা    I    গা    মা    গা    |    গা    গা    গা    I  
          আজ তো মা            রে    চা    ই            হে    প্র    ভু            ০    ০    ০

I    গা    গা    গা    |    গা    পা    পা    I    পা    মা    গা    |    গা    গা    গা    I  
          আজ তো মা            রে    চা    ই            হে    প্র    ভু            ০    ০    ০

I    রা    রা    রা    |    গা    মা    গা    I    রা    রা    গা    |    রা    সা    সা    II  
          বি    নি    ০            ম    য়ে    ০            আ    মা    র            আ    মি    রই

দাও পরিচয়... ..

II[ গা    গা    গা    |    মা    পা    পা    I    না    ধা    পা    |    ৷    ৷    ৷    ]Is  
          ঙ    রু    এ            বার    দে    বা            র    পা    লা            ০    ০    ০

|   |    |    |     |  |      |    |    |   |    |    |    |  |     |    |    |      |
|---|----|----|-----|--|------|----|----|---|----|----|----|--|-----|----|----|------|
| I | মা | মা | পা  |  | পা   | মা | মা | I | পা | মা | গা |  | গা  | গা | গা | I    |
|   | কা | ন  | না  |  | হা   | সি | ০  |   | অ  | শ  | নি |  | জা  | লা | ০  |      |
| I | গা | গা | গা  |  | গা   | রা | রা | I | গা | মা | গা |  | গা  | গা | গা | I    |
|   | ০  | ০  | পাও |  | য়ার | সু | খে |   | নি | জে | রে |  | ভো  | লা | ০  |      |
| I | গা | গা | গা  |  | গা   | পা | পা | I | পা | মা | গা |  | গা  | গা | গা | I    |
|   | ০  | ০  | পাও |  | য়ার | সু | খে |   | নি | জে | রে |  | ভো  | লা | ০  |      |
| I | রা | রা | রা  |  | গা   | মা | গা | I | রা | রা | সা |  | রা  | সা | সা | IIII |
|   | ছি | লু | ম   |  | তো   | মা | র  |   | চ  | র  | ণ  |  | স্ব | রি | ০  |      |

( ৪৭২৮ )

প্রাণের প্রদীপ জ্বালিয়ে দিলে কিসের শলাকাতে ।

কিশলয়ের রঙে সেজে' প্রৈতি-সুখমাতে ॥

নিদাঘেরই উষ্ণতাতে, প্রাবৃটেরই জলশ্রোতে ।

অগ্নি রূপে এখন এলে শরৎ শেফালিতে ॥

হেমন্তে ঘুমন্ত ছিলুম, শিশিরেরই প্রাস্তে এলুম ।

মধুমাसे জীবন পেলুম মধুর মাধুরীতে ॥

( মধুকোরক, কলিকাতা, ৩১/১১/২০ )

তালঃ দাদরা

|    |      |    |    |  |     |    |    |   |    |    |     |  |    |    |    |   |
|----|------|----|----|--|-----|----|----|---|----|----|-----|--|----|----|----|---|
|    | ১'   |    | ০  |  | ১'  |    | ০  |   |    |    |     |  |    |    |    |   |
| II | গা   | গা | রা |  | পা  | মা | মা | I | গা | গা | রা  |  | গা | সা | সা | I |
|    | প্রা | ণে | র  |  | প্র | দী | প  |   | জা | লি | য়ে |  | দি | লে | ০  |   |
| I  | সা   | গা | গা |  | গা  | গা | জা | I | া  | পা | পা  |  | পা | পা | পা | I |
|    | কি   | সে | ০  |  | র   | শ  | লা |   | কা | তে | ০   |  | ০  | ০  | ০  |   |
| I  | ধা   | পা | মা |  | গা  | রা | সা | I | গা | গা | গা  |  | গা | গা | গা | I |
|    | আ    | ০  | ০  |  | ০   | ০  | ০  |   | ০  | ০  | ০   |  | ০  | ০  | ০  |   |

[ ৪ ]

I গা গা রা | পা মা মা I গা গা রা | গা সা সা I  
কি শ ০ ল য়ে র র ঙে ০ সে জে ০

I সা গা গা | গা গা ক্কা I া পা া | া া া II  
প্রৈ তি ০ ০ হু য মা তে ০ ০ ০ ০

কিসের শলাকাতে ...

II{ গা গা গা | মা মা পা I পা পা পা | পা পা পা }Is  
নি দা ০ যে র ই উ ০ ঙ তা তে ০

I ধা ধা ন্ | রা সা না I ধা না ধা | ক্কা পা পা I  
প্রা ০ র টে র ই জ ল ০ প্রো তে ০

I গা গা রা | পা মা মা I গা গা রা | গা সা সা I  
অ ০ ঞ রু পে ০ এ খ ন এ লে ০

I সা গা গা | গা গা ক্কা I া পা া | া া া II  
শ র ০ ত শে ফা লি তে ০ ০ ০ ০

কিসের শলাকাতে ...

II গা গা গা | মা মা পা I পা পা পা | পা পা পা Is  
হে ম ন স্তে ঘু ০ ম ন ত ছি লু ম

I ধা ধা না | রা সা না I ধা মা ধা | ক্কা পা পা I  
শি শি ০ রে র ই প্রা ০ স্তে এ লু ম

I গা গা রা | পা মা মা I গা গা রা | গা সা সা I  
ম ধু ০ মা সে ০ জী ব ন পে লু ম

I সা গা গা | গা গা ক্কা I া পা া | া া II II  
ম ধু ০ র মা ধু রী তে ০ ০ ০ ০

কিসের শলাকাতে ...

শোণ শোণ শোণ, দূরের বন্ধু শোণ ।

তুমি আমারে ভাল করে' চেন, চিনিতে দাওনা কেন ॥

চিনিতে আমারে অরুণ প্রভাতে, চেনা থেকে' যাব দিবসে নিশীথে ।

রেখেছ সদা নিজ দৃষ্টিতে, এ সত্য জানি জেনো ॥

কাছের হলেও রয়ে গেছ দূরে, ষোরাচ্ছ মোরে তোমারেই ঘিরে' ।

হাসি কাঁদি গাই তোমারই তরে, আরো কাছে মোরে টানো ॥

( মধুকোরক, কলিকাতা, ১৯২৯ )

তাল : দাদরা

|    |          |  |             |   |          |  |              |
|----|----------|--|-------------|---|----------|--|--------------|
|    | ১'       |  | ০           |   | ১'       |  | ০            |
| II | সা সা রা |  | রা রা গা    | I | রা রা গা |  | সা সা সা I   |
|    | শো গ ০   |  | শো গ ০      |   | শো গ ০   |  | ০ ০ ০        |
| I[ | সা সা রা |  | রা রা গমা   | I | রা গা গা |  | গা সা সা ]Is |
|    | দূ রে র  |  | ব ন্ ধু     |   | শো গ ০   |  | ০ ০ ০        |
| I  | পা পা পা |  | পা পা ধা    | I | গা পা পা |  | পা মা গা I   |
|    | তু মি আ  |  | ০ মা রে     |   | ভা লো ক  |  | রে চে ন      |
| I  | সা রা রা |  | রা রা গম    | I | রা গা গা |  | গা সা সা I   |
|    | চি নি তে |  | দা ও না     |   | কে ন ০   |  | ০ ০ ০        |
|    |          |  | দূরের বন্ধু |   | ... ..   |  |              |
| II | সা রা পা |  | পা মা গা    | I | রা গা গা |  | গা গা গা I   |
|    | চি নি তে |  | আ মা রে     |   | অ রু গ   |  | প্র ভা তে    |
| I  | পা পা পা |  | পা পা ধা    | I | গা পা পা |  | মা গা গা I   |
|    | চে না থে |  | কে বা ব     |   | দি ব সে  |  | নি শী থে     |
| I  | পা পা পা |  | পা পা ধা    | I | গা পা পা |  | পা মা গা I   |
|    | রে থে ছ  |  | ০ স দা      |   | নি জ দ্  |  | ০ ষ্টি তে    |

I সা রা রা | রা রা গম I রা গা গা | গা সা সা II  
এ স ০ ত্য জা নি০ জে ন ০ ০ ০ ০  
দূরের ... ..

II সা রা পা | পা মা গা I রা গা গা | গা গা গা I  
কা ছে র হ লে ও র য়ে গে ছ দূ রে

I পা পা পা | পা পা ধা I গা পা পা | মা গা গা I  
ঘো রা ০ ছ মো রে তো মা রে ই খি রে

I পা পা পা | পা পা ধা I গা পা পা | পা মা গা I  
হা সি কাঁ দি গা ই তো মা র ই ত রে

I সা রা রা | রা রা গম I রা গা গা | গা সা সা IIII  
আ রো কা ছে মো রে০ টা নো ০ ০ ০ ০  
দূরের বন্ধু ... ..

( ৪৭০০ )

ভালবাস ভুবনে তুমি ভালবাস ।

অরুণ আলোয় সরিয়ে কালোয়, অমুরাগে তমঃ নাশ ॥

যে মরুতে ফোটে না ফুল, দোলে না লতা দোতুল ছল ।

নাইকো ক্রমে কোন মুকুল, চাঁদের আলোয় ভাস ॥

নেইকো তৃণ যে উপলে, উৎপল নেই যে সলিলে,

নেই কাকলি যে মঙ্গলে, সেখানেও রভসে হাস ॥

( মধুকোরক, কলিকাতা, ১২১৯০ )

তাল : দাদরা

১' ০ ১' ০  
II পা পা পা | পা পা পা I গা পা পা | মা গা গা I  
ভা ০ ল বা স ০ ভূ ব নে ভূ মি ০

[ ৭ ]

I গা গা রা | গা সা সা I গা গা রা | গা সা সা I  
ভা ল ০ বা স ০ ভা ল ০ বা স ০

I পা পা পা | পা পা ধা I গা পা পা | মা গা গা I  
অ রু ৭ আ লো য় স রি য়ে কা লো য়

I পা পা পা | মা গা গা I রা গা গা | গা সা সা II  
অ গু ০ রা গে ০ ত মঃ না ০ শ ০

ভালবাস\*\*\*

II[ সা পা পা | পা মা গা I রা গা গা | গা গা গা ]Is  
যে ম ০ ০ রু তে ফো টে ০ না ফু ল

I গা পা পা | পা পা ধা I গা পা পা | পা মা গা I  
দো লে না ল তা ০ দো ছ ল ০ ছ ল

I পা পা পা | ফ্রা পা পা I গা পা পা | মা গা গা I  
নে ই কো ফ্র মে ০ কো ন ০ মু কু ল

I পা পা পা | মা গা গা I রা গা গা | গা সা সা I  
টা দে র আ লো য় ভা ০ স ০ ০ ০

ভালবাস ...

II[ সা পা পা | পা মা গা I রা গা গা | গা গা গা ]Is  
না ই কো ০ তৃ ৭ যে ০ ০ উ প লে

I গা পা পা | পা পা ধা I গা পা পা | পা মা গা I  
উ ৎ প ল নে ই যে স ০ ০ লি লে

I পা পা পা | পা পা ধা I গা পা পা | মা গা গা I  
নে ই কা ০ ক লি যে ম উ গ লে ০

I পা পা পা | মা গা গা I রা গা গা | গা গা সা II II  
সে খা নে ও র ভ সে হা ০ স ০ ০

ভালবাস ...

[ ৮ ]

( ৪৭৩১ )

মোর মনের ময়ূর, মহান ভে ভেসে' যায়, যায় যায় যায় ।  
নক্ষত্র তারকা ভেদি' উল্কা-গ্রহ-নীহারিকা ছেদি' অনন্ত পানে চায় ॥  
বাধা দিয়েছিল যত সংস্কার, পথ রোধেছিল জড়াকার ।  
বলেছিল যত প্রিয়জন আমার, যাও কোন অজানায় ॥  
থাকবে না কোন শোষণবৃত্তি, কৌলীন্ত যশের প্রাপ্তি ।  
বিত্তের বলে প্রতিপত্তি, ময়ূর নামেনি তাই ।  
বিরামবিহীন সে ময়ূর আর পিছে কভু না তাকায় ॥

( মধুকোরক, কলিকাতা, ১৯২৯ )

তাল—দাদরা

| ১' | ০  | ১' | ০   | সা | না | I   |    |    |    |    |    |  |    |    |    |   |
|----|----|----|-----|----|----|-----|----|----|----|----|----|--|----|----|----|---|
|    |    |    |     | মো | র  |     |    |    |    |    |    |  |    |    |    |   |
| II | সা | সা | গা  |    | গা | গা  | গা | I  | গা | মা | পা |  | ধা | ধা | ধা | I |
|    | ম  | নে | র   |    | ম  | য়ু | র  | ০  | ০  | ০  |    |  | ০  | ০  | ০  |   |
| I  | পা | ধা | পা  |    | পা | ধা  | পা | I  | পা | পা | পা |  | পা | পা | পা | I |
|    | ০  | ০  | ০   |    | ০  | ০   | ০  | ০  | ০  | ০  | ০  |  | ০  | ০  | ০  |   |
| I  | পা | ধা | সা  |    | গা | রা  | গা | I  | গা | সা | সা |  | সা | সা | সা | I |
|    | ম  | হা | ন   |    | ভে | ভে  | সে | ০  | যা | ০  |    |  | য় | ০  | ০  |   |
| I  | গা | গা | রা  |    | গা | গা  | রা | I  | সা | সা | সা |  | সা | সা | সা | I |
|    | বা | ০  | য়  |    | যা | ০   | য় | যা | ০  | ০  |    |  | ০  | ০  | য় |   |
| I  | সা | রা | পা  |    | পা | মা  | গা | I  | রা | গা | গা |  | গা | গা | গা | I |
|    | ন  | ০  | ক্ষ |    | ০  | ত্র | ০  | তা | র  | কা |    |  | ০  | ভে | দি |   |
| I  | পা | পা | পা  |    | পা | পা  | পা | I  | পা | ধা | পা |  | পা | মা | গা | I |
|    | উ  | ল  | কা  |    | ০  | ত্র | হ  | নী | হা | রি |    |  | কা | ছে | দি |   |

[ ৯ ]

I সা রা রা | রা গা মা I রা গা গা | গা গা গা II  
অ ন ন ত পা নে চা ০ ০ ০ ০ য

মহানভে ... ..

II[ সা রা পা | পা মা গা I রা গা গা | গা গা গা ]Is  
বা ধা দি য়ে ছি ল য ত সং ০ স্কা র

I পা পা পা | পা পা পা I গা পা পা | পা গা গা I  
প থ রো ধে ছি ল জ ডা ন্ ধ কা র

I পা পা পা | পা পা পা I গা পা পা | পা মা গা I  
ব লে ছি ল য ত প্রি য জন আ মা র

I সা রা রা | রা গা মা I রা গা গা | গা গা সা II  
যা ও কো ন্ অ জা না ০ ০ ০ ০ য

মহানভে ... ..

II সা রা পা | পা না গা I রা গা গা | গা গা গা I  
থা ক বে না কো ন শো ষ ণ বৃ ০ ত্তি

I পা পা পা | পা পা পা I গা পা পা | মা গা গা I  
কৌ ০ লি ০ ছ ০ য শে র প্রা প তি

I পা পা পা | পা পা পা I গা পা পা | মা গা গা I  
বৃ ০ ত্তে র ব লে প্র তি ০ প ০ ত্তি

I সা রা রা | রা গা মা I রা গা গা | গা গা সা I  
ম য়ু র মা নে নি তা ০ ০ ০ ০ ই

I পা পা পা | পা পা ধা I পা পা পা | পা মা গা I  
বি রা ম বি হী ন সে ম য়ু র আ র

I সা রা রা | রা গা রা I রা গা রা | গা গা সা III  
পি ছে ক ভূ না তা কা ০ ০ ০ ০ য

( ৪৭৩২ )

পরশমণি তুমি পরশমণি আছ সব কিছুকেই ছেয়ে ।

তোমার পরশে কনকোজ্জল, মন চলে ধারা বেয়ে' ॥

আমার দ্রাক্ষাকুঞ্জে সতত পুঞ্জে পুঞ্জে ।

অলি গুঞ্জরে কলি মুঞ্জরে তোমার পরশ পেয়ে' ॥

ভালোর ভালো তুমি সবার আলো,

মরণ-জগতে তুমি শ্রুত সদা সম্মত চালিয়া চল ।

জীব কাঁদে হাসে চলে ভালবেসে' তোমার মাধুরী নিয়ে ॥

( মধুকোরক, কলিকাতা. ১৯২০ )

তাল—দাদরা

|     | ১' |    | ০   |  | ১'  |     | ০    |   |    |     |    |  |    |    |    |    |
|-----|----|----|-----|--|-----|-----|------|---|----|-----|----|--|----|----|----|----|
| II  | সা | সা | সা  |  | সা  | সা  | রা   | I | গা | পা  | পা |  | পা | ধা | পা | I  |
|     | প  | র  | শ   |  | ম   | ০   | ০    |   | গি | ০   | ০  |  | ০  | ০  | ০  |    |
| I   | গা | গা | গা  |  | গা  | গা  | গা   | I | গা | গা  | গা |  | গা | গা | গা | I  |
|     | ০  | ০  | ০   |  | ০   | ০   | ০    |   | ০  | ০   | ০  |  | ০  | তু | মি |    |
| I   | গা | গা | গা  |  | গা  | রা  | গা   | I | সা | সা  | সা |  | গা | গা | গা | I  |
|     | প  | র  | শ   |  | ম   | ০   | ০    |   | গি | ০   | ০  |  | ০  | আ  | ছ  |    |
| I   | গা | গা | মা  |  | পা  | মা  | মা   | I | গা | সা  | সা |  | সা | সা | গা | II |
|     | স  | ব  | কি  |  | ছু  | কে  | ই    |   | ছে | য়ে | ০  |  | ০  | ০  | ০  |    |
| I   | পা | ধা | সাঁ |  | সাঁ | সাঁ | সাঁ  | I | না | সাঁ | না |  | ধা | ধা | পা | I  |
|     | তো | মা | র   |  | প   | র   | শে   |   | ক  | ন   | কো |  | ০  | জ  | ল  |    |
| I   | সা | রা | গা  |  | গা  | রা  | গা   | I | গা | সা  | সা |  | সা | সা | সা | I  |
|     | ম  | ন  | চ   |  | লে  | ধা  | রা   |   | বে | য়ে | ০  |  | ০  | ০  | ০  |    |
| II[ | ধা | সা | সা  |  | সা  | সা  | রা   | I | রা | গা  | গা |  | গা | গা | গা | I  |
|     | আ  | মা | র   |  | জা  | ০   | ক্ষা |   | কু | ন্  | জে |  | ০  | ০  | ০  |    |

I[ গা গা মা । গা রা রা I রা রা সা । সা সা সা ]Is  
 স ত ত পু ন জে পু ন জে ০ ০ ০

I পা ধা সা । সা সা সা I না পা পা । ধা পা পা I  
 অ লি ঙু ন্ জ রে ক লি মু ন্ জ রে

I সা রা পা । গা রা গা I গা সা সা । সা সা সা II  
 তো মা র প র শ পে য়ে ০ ০ ০ ০

আছ সব কিছু ... ..

II ধা সা সা । সা সা রা I রা গা গা । গা গা গা I  
 ভা লো র ভা ০ ০ লো ০ ০ তু মি ০

I গা গা মা । গা রা রা I রা রা সা । সা সা সা I  
 স বা র আ ০ ০ লো ০ ০ ০ ০ ০

I পা ধা সা । সা সা সা I না না পা । ধা পা পা I  
 ম র ণ জ গ তে তু মি ০ ঞ্ৰ ভু ০

I সা রা গা । গা রা গা I গা সা সা । সা সা সা I  
 অ ম্ ত ঢা লি য়া চ ল ০ ০ ০ ০

I পা ধা সা । সা সা সা I না না পা । ধা পা পা I  
 জী ব ঙ্গা দে হা সে চ লে ভা ল বে সে

I সা রা গা । গা রা গা I গা সা সা । সা সা সা I  
 তো মা র মা ধু রী নি য়ে ০ ০ ০ ০

আছ সব কিছু ... ..

( ৪৭৩৩ )

আঁখিয়া তুম্হিকো চাহ্ তী হায় ।  
বুন্দাবনকে বন বন মে  
ব্রজবাসীকে মন মন মে  
যমুনাকে কালে নীরমে, এক মে হনহি রমতা হায় ॥  
খেলু চলে তুম্হারী খোঁজ মে  
বেণু ষোলে তুম্হারী আশ্ মে  
কোয়েল রোয়ে খেলকী লাজ্ মে, বিনা টাঁদ আঁধের হায় ॥

( মধুকোরক, কলিকাতা, ১।২।৯০ )

( ৪৭৩৪ )

জয় জয় জয়, জয় প্রভু তোমারই হবে।

ভুলোকে ছালোকে গোলোকে ত্রিলোকে চিরকাল তুমি স্থায়ী ভাবে রবে ॥

শক্তির মদে মত্ত যারা অহঙ্কারের ক্রীতদাস তারা।

জড়ের বাঁধনে বিবেকহারা ধূলিতে তারা মিলিয়ে যাবে ॥

অরুণোদয়ে আঁধারে যারা শিবাকারির অনুচর তারা।

দানবের কালো হাতের দাস এরা ঘৃণার চরণাঘাতে লুটাবে ॥

( মধুকোরক, কলিকাতা, ২২২০ )

তাল : দাদরা

|    | ১'   |    | ০  |  | ১'  |     | ০  |   |      |     |    |  |      |    |    |    |
|----|------|----|----|--|-----|-----|----|---|------|-----|----|--|------|----|----|----|
| II | গা   | গা | রা |  | গা  | গা  | রা |   | সা   | সা  | সা |  | গা   | গা | গা | I  |
|    | জ    | য় | জ  |  | ০   | য়  | ০  |   | জ    | ০   | ০  |  | ০    | ০  | য় |    |
| I{ | সা   | রা | রা |  | রা  | রা  | গা | I | রা   | পা  | পা |  | পা   | মা | গা | }I |
|    | জ    | ০  | ০  |  | য়  | প্র | ভু |   | তো   | মা  | র  |  | ই    | হ  | বে |    |
| I  | ন্ধা | †  | †  |  | পা  | পা  | পা | I | পধা  | গা  | পা |  | মা   | গা | গা | I  |
|    | ভু   | লো | কে |  | হ্য | লো  | কে |   | গো   | লো  | কে |  | ত্রি | লো | কে |    |
| I  | সা   | রা | রা |  | রা  | রা  | গা | I | রা   | পা  | পা |  | পা   | মা | গা | II |
|    | চি   | র  | কা |  | ল   | তু  | মি |   | স্থা | য়ী | ভা |  | বে   | র  | বে |    |

জয় প্রভু ....

|     |    |     |    |  |     |    |    |   |      |    |    |  |    |    |    |    |
|-----|----|-----|----|--|-----|----|----|---|------|----|----|--|----|----|----|----|
| II{ | সা | রা  | পা |  | পা  | মা | গা | I | রা   | গা | গা |  | গা | গা | গা | Is |
|     | শ  | ক্  | তি |  | র   | ম  | দে |   | ম    | ০  | তু |  | ০  | যা | রা |    |
| I   | পা | পা  | পা |  | পা  | পা | ধা | I | গা   | পা | পা |  | পা | মা | গা | I  |
|     | অ  | হ   | ং  |  | কা  | রে | র  |   | ক্রী | ত  | দা |  | স  | তা | রা |    |
| I   | পা | পা  | পা |  | পা  | পা | ধা | I | গা   | পা | পা |  | মা | মা | গা | I  |
|     | জ  | ড়ে | র  |  | বাঁ | ধ  | নে |   | বি   | বে | ক  |  | হা | রা | ০  |    |

I সা রা রা | রা রা গা I রা পা পা | মা মা গা I  
 ধু লি তে ০ তা রা মি ল য়ে ০ যা বে  
 জয় প্রভু ... ..

II { সা রা পা | পা মা গা I রা গা গা | গা গা গা }Is  
 অ রু গৌ ০ দ য়ে আ ধা রে যা রা ০

I পা পা পা | পা পা ধা I গা পা পা | পা মা গা I  
 শি বা কা কা রি র অ হু চ র তা রা

I পা পা পা | পা পা ধা I গা পা পা | মা মা গা I  
 দা ন বে র কা লৌ হা তের দাস এ রা ০

I সা রা রা | রা রা গা I রা পা পা | মা মা গা IIII  
 ঘু গা র চ র গা ঘা তে লু টা বে ০  
 জয় প্রভু ... ..

( ৪৭ঃ৫ )

বলাকার দল চলে' যায় কোন্ দেশপানে কে জানে ।

কোথা হতে এসে' কোথা যায় ভেসে' কোন্ অলকার টানে ॥

উত্তর মেরু, দক্ষিণ মেরু কিংবা গোবি-সাহারার মরু ।

শীতে নিষ্পত্র যেথায় তরু সেথা হতে কোথা অচিনে ॥

সাগরপারের কোন্ সে মিত্র, চোখে আঁকে দূর রঙীন চিত্র ।

তাই দিনে রাতে তমে অছিদ্র ডানা মেলে আছে গগনে ॥

( মধুকোরক, কলিকাতা, ৩২।৯০ )

তাল : দাদারা

II সা রা রা | রা গা মা I রা গা গা | গা সা সা I  
 ব লা কা র দ ল চ লে যা ০ ০ য

[ ১৫ ]

I সা রা রা | রা গা মা I রা গা গা | গা সা সা I  
কো ন্ দে শ পা নে কে জা নে ০ ০ ০

II পা পা পা | পা পা পা I পা ধা পা | মা গা মা ]I  
কো থা হ তে এ সে কো থা যা য় ভে সে

I সা রা রা | রা রা পা I মা গা মা | গা রা গা I  
কো ন্ অ ল কা র টা নে ০ ০ ০ ০

I সা রা গা | রা রা পা I মা গা গা | গা গা গা I  
০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০

III{ সা রা পা | পা মা গা I রা গা গা | গা গা গা }Is  
উ ০ ভে র মে রু দ ০ ফি ৭ মে রু

I পা পা পা | পা পা ধা I গা পা পা | মা মা গা I  
কি ং বা গো বি ০ সা হা রা র ম রু

I পা পা পা | পা পা ধা I গা পা পা | মা মা গা I  
শী তে ০ নি প্প ত্র যে থা য় ত রু ০

I সা রা রা | রা গা মা I রা গা গা | গা গা গা II  
সে থা হ তে কো থা অ চি ন ০ ০ ০

কোথা হতে ... ..

II{ সা রা পা | পা মা গা I রা গা গা | গা গা গা }I  
সা গ র পা রে র কো ন সে মি ০ জ

I পা পা পা | পা পা ধা I গা পা পা | মা মা গা I  
চো খে আঁ কে দূ র র ডি ন্ চি ০ ত্র

I পা পা পা | পা পা ধা I গা পা পা | মা মা গা I  
তা ই দি নে রা তে ত মে অ ছি ০ জ

I সা রা রা | রা গা মা I রা গা গা | গা গা গা IIII  
ডা না মে লে আ ছে গ গ নে ০ ০ ০

কোথা হতে ... ..

( ৪৭৩৬ )

তোমারে চেয়েছি আমি বরবামুগর রাতে,

মেঘে ঢাকা ঘন অন্ধকারের সাথে

ছিলুম কুটীরে একা, বেণুবনেরই কেকা ছিল নিস্তরক ত্রস্তচকিতে ॥

বিজলি ঝলকি ক্ষণে ক্ষণ কাঁপায়ে দিয়েছে অণুমন ।

তারপর ভুলিয়া গিয়াছি কখন, হারায়ে ফেলেছি আপনারে তোমাতে ॥

গুরু গর্জনে বজ্রের হুঙ্কার, থর থর কম্পন এনেছে বারে বার ।

তবুও ভুলিনি আমি যে তোমার, তব অভীষ্টে এসেছি ধরণীতে ॥

( মধুকোরক, কলিকাতা, ৩২-৯০ )

তাল : দাদরা

| ১  | ০ | ১ | ০ |
|--|---|---|---|
| II মা পা ধা   মা পা না I না না সর্গা   সর্গা সর্গা সর্গা I<br>তো মা রে চে য়ে ছি আ ০ মি ০ ০ ০          |   |   |   |
| I পা ধা সা   সা সা সা I া া া   া া া I<br>০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০                                     |   |   |   |
| I সা রা পা   ধা পা পা I ধা পা পা   পা পা পা I<br>ব র ধা মু থ র রা তে ০ ০ ০ ০                           |   |   |   |
| I পা ধা মা   মা মা মা I মা মা মা   মা মা গা I<br>মে খে ডা কা ষ ন অ ন্ ধ কা রে রে                       |   |   |   |
| I রা গা রা   রা রা রা I পা পা ধা   মা পা না I<br>সা থে ০ ০ ০ ০ ছি লুম কু টি রে এ                       |   |   |   |
| I সর্গা সর্গা সর্গা   সর্গা সর্গা সর্গা I সর্গা র্গা না   না ধা পা I<br>কা ০ ০ ০ ০ ০ ০ বে গু ব ০ নে রই |   |   |   |
| I পা ধা পা   পা পা পা I পা ধা মা   মা মা মা I<br>কে কা ০ ০ ০ ০ ছি ল নি ০ স্ত ব                         |   |   |   |

[ ১৭ ]

I মা মা মা | মা মা গা I রা গা রা | রা রা রা II  
 ধ ০ ত্র স্ত চ ০ কি তে ০ ০ ০ ০

মেঘে ঢাকা ... ..

II মা পা ধা | মা পা না I না না সা | সা সা সা I  
 বি জ লি ঝ ল কি ক্র গে ক্র ০ ০ গ

I সা সা সা | না না না I পা ধা ধা | পা পা পা I  
 কা পা য়ে দি য়ে ছে অ গু ম ০ ০ ন

I পা ধা মা | মা মা মা I মা মা মা | মা মা মা I  
 তা র প র ডু লি যা ০ ০ গি যা ছি

I রা গা রা | রা রা রা I রা পা মা | মা মা মা I  
 ক খ ০ ০ ০ ন হা রা য়ে ফে লে ছি

I মা মা মা | মা মা গা I রা গা সা | সা সা সা II  
 আ প না রে তো ০ মা তে ০ ০ ০ ০

মে ঢাকা ... ..

II মা পা পা | পা পা ধা I মা পা না | না না না J  
 গু রু গ ০ জঁ নে ব ০ জে র ছ ন্

I সা সা সা | সা সা সা I সা সা গা | না না না I  
 কা ০ ০ ০ ০ র থ র থ র ক ম্

I না না না | না ধা না I পা ধা পা | পা পা পা I  
 প ন এ ০ নে ছে ০ বা রে বা ০ র

I পা পা ধা | মা মা মা I মা মা মা | মা মা ধা I  
 ত ব ও ডু লি নি আ মি য়ে ০ তো ০

I রা গা গা | গা রা রা I রা পা মা | মা মা মা I  
 মা ০ ০ ০ ০ র ত ব অ ভী ষ টে

I মা মা মা | মা মা গা I রা গা সা | সা সা সা IIII  
 এ সে ছি ০ ধ ০ র গী ০ তে ০ ০

মেঘে ঢাকা ... ..

( ৪৭৩৭ )

আমার মাধবীকুঞ্জে মাধব এসেছে পথ ভুলে' ।  
 তাই বাজে বেণু ভাসে ব্রজরেণু যমুনা উচ্ছলে ছ'কূলে ॥  
 নীপমঞ্জরী পুলকে শিহরে, হর্ষে খঞ্জরী বিহরে ।  
 পিঞ্জর ভেদি' মন চলে উড়ে নভঃনীলিমায় ডানা মেলে' ॥  
 গোপিকারা করে দধি মস্থন, শুক-সারি পুনঃ করে আলাপন ।  
 ব্রজবাসীরা চূয়া-চন্দন এনেছে পরাতে কপালে ॥

( মধুকোরক, কলিকাতা, ৪২।৯০ )

তাল—দাদরা

|    |      |    |    |  |    |     |    |   |
|----|------|----|----|--|----|-----|----|---|
|    | ১'   |    | ০  |  | ১' |     | ০  |   |
| II | সা   | রা | রা |  | রা | রা  | গা | I |
|    | আ    | মা | র  |  | মা | ধ   | বী |   |
|    |      |    |    |  |    |     |    |   |
|    |      |    |    |  |    |     |    |   |
| I[ | সা   | সা | রা |  | রা | রা  | গা | I |
|    | মা   | ধ  | ব  |  | এ  | সে  | ছে |   |
|    |      |    |    |  |    |     |    |   |
|    |      |    |    |  |    |     |    |   |
| I  | ক্ষা | া  | া  |  | া  | া   | পা | I |
|    | তা   | ই  | জা |  | বে | বে  | গু |   |
|    |      |    |    |  |    |     |    |   |
|    |      |    |    |  |    |     |    |   |
| I  | সা   | সা | সা |  | রা | রা  | গা | I |
|    | য    | মু | না |  | উ  | চ্ছ | লে |   |
|    |      |    |    |  |    |     |    |   |
|    |      |    |    |  |    |     |    |   |

মাধব এসেছে ... ..

[ ১৯ ]

II[ সা রা পা | মা গা মা I রা গা গা | গা গা গা ]Is  
নী প ম ন্ জ রী পু ল কে শি হ রে

I পা পা পা | পা পা ধা I গা পা পা | মা মা গা I  
হ ০ ধে খ ন্ জ রী ০ বি ০ হ নে

I পা পা পা | পা পা ধা I গা পা পা | মা মা গা I  
পি ন্ জ র ভে দি ম ন চ লে উ ডে

I সা রা রা | রা রা গা I রা পা মা | গা গা গা II  
ন ভ নী লি মা য ডা না মে লে ০ ০

মাধব এসেছে ... ..

III সা রা পা | মা গা মা I রা গা গা | গা গা গা I  
গো পি কা রা ক রে দ ধি ম ন্ থ ন

I পা পা পা | পা পা ধা I গা পা পা | মা মা গা I  
ঙ ক্ সা রি পু ন ক রে আ লা প ন

I পা পা পা | পা পা ধা I গা পা পা | মা মা গা I  
ব্র জ বা সী রা ০ চু যা চ ন দ ন

I সা রা রা | রা রা গা I রা পা মা | গা গা গা II I  
এ নে ছে প রা তে ক পা লে ০ ০ ০

মাধব এসেছে ... ..

( ৪৭৩৮ )

আমার গোপন কথা সবই আছে তব জানা ।  
ব্যথার উপরে ব্যথা আর মোরে নাহি দিও ॥  
আল্লনা-আঁকা পথে দলে' চলে' গেলে রথে ।  
মোর পানে না তাকালে, তবু নতি মোর নিও ॥  
চয়ন করেছি কমল, ভরা ছিল তাতে পরিমল ।  
মেশা ছিল তাতে আঁখিজল বলিতে শুধু তাকিও ॥  
সন্ধ্যা ঘনায়ে এল, মোর ফুল ম্লান হ'ল ।  
পাপড়ী খসিয়া গেল, তবু তুমি মোর প্রিয় ॥

( মধুকোরক, কলিকাতা, ৪।২।৯০ )

তাল—দাদরা

|    | ১   |     | ০  |  | ১  |    | ০  |   |     |    |    |  |    |    |    |   |
|----|-----|-----|----|--|----|----|----|---|-----|----|----|--|----|----|----|---|
| II | সা  | রা  | রা |  | রা | রা | ণা | I | ধা  | পা | পা |  | পা | পা | পা | I |
|    | আ   | মা  | র  |  | গো | প  | ন  |   | ক   | থা | ০  |  | ০  | ০  | ০  |   |
| I  | সাঁ | রাঁ | না |  | ধা | পা | পা | I | ধা  | ধা | পা |  | পা | পা | পা | I |
|    | স   | বই  | আ  |  | ছে | ত  | ব  |   | জা  | না | ০  |  | ০  | ০  | ০  |   |
| I  | সা  | মা  | মা |  | মা | মা | পা | I | পা  | ধা | ধা |  | পা | মা | ধা | I |
|    | ব্য | থা  | র  |  | উ  | প  | রে |   | ব্য | ০  | থা |  | ০  | ০  | ০  |   |
| I  | ধা  | না  | না |  | ধা | পা | ধা | I | পা  | পা | মা |  | মা | মা | মা | I |
|    | আ   | র   | মো |  | রে | না | হি |   | দি  | ০  | ও  |  | ০  | ০  | ০  |   |
| I  | ধা  | সা  | সা |  | সা | সা | সা | I | সা  | রা | গা |  | গা | গা | গা | I |
|    | আ   | ল   | প  |  | না | আঁ | কা |   | প   | ০  | থে |  | ০  | ০  | ০  |   |
| I  | গা  | গা  | মা |  | গা | সা | গা | I | গা  | গা | রা |  | রা | রা | রা | I |
|    | দ   | লে  | চ  |  | লে | গে | লে |   | র   | ০  | থে |  | ০  | ০  | ০  |   |
| I  | ধা  | সা  | সা |  | সা | সা | সা | I | সা  | রা | গা |  | গা | গা | গা | I |
|    | মো  | র   | পা |  | নে | না | তা |   | কা  | ০  | লে |  | ০  | ০  | ০  |   |

I[ গা গা মা | গা সা গা I গা গা রা | রা রা রা II  
 ত বু ন | তি মো র | নি ০ ৬ | ০ ০ ০  
 আর মোরে ... ..

II' ধা সা সা | সা সা সা I সা রা গা | গস রগ গা IIs  
 চ য় ন | ক রে ছি | ক ০ ম | ০ ০ ল

I গা গা মা | গা সা গা I গা গা রা | রা রা রা I  
 ভ রা ছি | ল তা তে | প রি ম | ০ ০ ল

I ধা সা সা | সা সা সা I সা রা গা | গস রগ গা I  
 মে শা ছি | ল তা তে | আ খি জ | ল০ ০০ ০

I গা গা সা | গা সা গা I গা গা রা | রা রা রা II  
 ব লি তে | শু ধু তা | কি ০ য়ো | ০ ০ ০  
 আর মোরে ... ..

III{ ধা সা সা | সা সা সা I সা রা গা | গস রগ গা } s  
 স ন্ ধ্যা | ষ না য়ে | এ ০ ল | ০০ ০০ ০

I গা গা মা | গা সা গা I গা গা রা | রা রা রা I  
 মো র ফু | ল ল্লা ন | হ ০ ল | ০ ০ ০

I ধা সা সা | সা সা সা I সা রা গা | গস রগ গা I  
 পা প ড়ী | খ সি যা | গে ০ ল | ০০ ০০ ০

I গা গা মা | গা সা গা I গা গা রা | রা রা রা III  
 ত বু তু | মি মো র | প্রি ০ য | ০ ০ ০

( ৪৭৩৯ )

তুমি যখন এলে আমি তখন ঘুমে অচেতন।  
 বীণা বাজিয়ে গেলে, জেগে' শুনি তার রেশ তখন ॥  
 ঘুমিয়ে ছিলুম যুগ যুগ ধরে' সংস্কারেরই অঙ্ককারে।  
 জেগে' শুনি আমার স্বরে তোমার নূপুরেরই রণন ॥  
 ছিল ভ্রমরের গুঞ্জন, ছিল সমুদ্রের গর্জন।  
 ছিল প্রণবের স্পন্দন, নব জীবনের স্বমন ॥

( মধুকোরক, কলিকাতা, ৪২।৯০ )

তাল—দাদরা

|    |          |   |          |               |  |          |   |
|----|----------|---|----------|---------------|--|----------|---|
|    | ১        | ০ | ১        | ০             |  |          |   |
| II | মা মা মা |   | মা গা পা | I পা ক্কা পা  |  | পা পা পা | I |
|    | তু মি ০  |   | য খ ন    | এ ০ লে        |  | ০ ০ ০    |   |
| i  | গা গা মা |   | পা ধা না | I পা পা সর্গা |  | না ধা ধা | I |
|    | আ মি ০   |   | ত খ ন    | যু মে জ       |  | চে ত ন   |   |
| I  | মা মা মা |   | মা গা পা | I পা ক্কা পা  |  | পা পা পা | I |
|    | বী গা ০  |   | বা জি ০  | য়ে ০ গে      |  | ০ লে ০   |   |
| I  | গা গা মা |   | পা ধা পা | I পা পা সর্গা |  | না ধা ধা | I |
|    | জে গে শু |   | গি তা র  | রে শ ত        |  | খ ০ ন    |   |

আমি তখন ... ..

|    |           |  |                   |                    |  |          |    |
|----|-----------|--|-------------------|--------------------|--|----------|----|
| II | মা মা মা  |  | মা গা পা          | I পা পা পা         |  | পা মা পা | I  |
|    | যু মি য়ে |  | ছি লু ম           | যু গ যু            |  | গ ধ রে   |    |
| I  | গা গা মা  |  | পা ধা না          | I পা পা সর্গা      |  | না ধা ধা | I  |
|    | স ং স     |  | কা রে রই          | অ ন ধ              |  | কা রে ০  |    |
| I  | না না না  |  | সর্গা সর্গা সর্গা | I র্গা সর্গা সর্গা |  | না ধা ধা | I  |
|    | জে গে ০   |  | শু গি ০           | আ মা র             |  | ঘ রে ০   |    |
| I  | গা গা মা  |  | পা ধা না          | I পা পা সর্গা      |  | না ধা ধা | II |
|    | তো মা ব   |  | নু পু ০           | রে রই র            |  | ণ ন ০    |    |

আমি তখন ... ..

|     |          |  |          |               |  |              |   |
|-----|----------|--|----------|---------------|--|--------------|---|
| II[ | মা মা মা |  | মা গা পা | I পা পা পা    |  | পা মা পা ]Is |   |
|     | ছি ল ০   |  | ভ্র ম ০  | রে র গু       |  | নু জ ন       |   |
| I   | গা গা মা |  | পা ধা না | I পা পা সর্গা |  | না ধা ধা     | I |
|     | ছি ল ০   |  | স মু ০   | দ্রে র গ      |  | ০ জ ন        |   |

I না না না | সাঁ সাঁ সাঁ | রাঁ সাঁ সাঁ | না ব ব I  
 ছি ল ০ প্র ণ ০ বে র স্প ন ক ০

I গা গা মা | পা ধা না I পা পা সাঁ | না ব ব IIh  
 ন ব ০ জী ব ০ নে র স্ব ন ন ০

আমি তখন ....

( ৪৭৪০ )

আলো-বলমল শারদ সাঁবে তুমি ছিলে কাছে, এসেছিলে কাছে ।  
 গান গেয়েছিলে, মূহু হেসেছিলে, আমি তাকাইনি লাজে ॥  
 অভিমান ছিল পুঞ্জীভূত, যুগে যুগে ডেকে' গেছি শত শত ।  
 সাড়া দাও নিকো, ছিলে কাজে রত, এ ব্যথা প্রাণে বাজে ॥  
 আজ সাঁবে হল কি ব্যতিক্রম, দীনেরে ঝরিল পুরুষোত্তম ।  
 কোমুদী মাঝে কোমুদোপম ছেড়ে' নিজ কাজে ॥

( মধুকোরক, কলিকাতা, ৫:২:৯০ )

তাল : দাদরা

|    |          |  |            |   |          |  |             |
|----|----------|--|------------|---|----------|--|-------------|
|    | ১'       |  | ০          |   | ১'       |  | ০           |
| II | সা সা সা |  | না সা সা   | I | সা সা সা |  | মা ধা স     |
|    | আ লো ঝ   |  | ল ম ল      |   | শা র দ   |  | সাঁ বে হুদি |
| I  | সা সা ঝা |  | জর মজর ঝা  | I | সা সা সা |  | সা সা সা    |
|    | ছি ০ ০   |  | লে ০ ০০ কা |   | ছে ০ ০   |  | ০ এ সে      |
| I  | সা সা ঝা |  | জর মজর ঝা  | I | সা সা সা |  | সা সা সা    |
|    | ছি ০ ০   |  | লে ০ ০০ কা |   | ছে ০ ০   |  | ০ ০ ০       |
| I  | ন না না  |  | ঝা ঝা জা   | I | মা মা পা |  | জা মা মা    |
|    | গা ন গে  |  | য়ে ছি লে  |   | মু হু হে |  | সে ছি লে    |

I সা সা ঋ | জ্বর মজ্ব ঋ I সা সা সা | সা সা সা II  
 তা কা ই নি ০ ০০ লা জে ০ ০ ০ আ মি  
 এসে ছিলে কাজে ... ..

II[ না না ঋ | ঋ ঋ জ্ঞা | মা মা পা | জ্ঞা মা মা Is  
 অ ভি মা ন ছি ল পু ০ জ্ঞী ০ ভূ ত

I মা পা দা | সা পা মা I জ্ঞা মা জ্ঞা | ঋ সা সা I  
 যু গে যু গে ডে কে গে ছি শ ত শ ত

I ঋ মা মা | মা ক্ষা মা I জ্ঞা মা জ্ঞা | ঋ সা সা I  
 সা ডা দা ও নি কো ছি লে কা জে র ত

I সা সা সা | সা সা সা I সা সা ঋ | জ্বর মজ্ব ঋ I  
 ০ ০ ০ ০ এ ব্যথা প্রা ০ ০ গে ০ ০০ বা

I সা সা সা | সা সা সা I সা সা সা | সা সা সা I  
 জে ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ এ সে  
 ছিলে কাজে ... ..

II[ না না ঋ | ঋ ঋ জ্ঞা I মা মা পা | জ্ঞা মা মা ]I  
 আ জ সা ঋে হ ল কি ব্য তি ০ ক্র ম

I মা পা দা | দা পা মা I জ্ঞা মা জ্ঞা | ঋ সা সা I  
 দী নে রে স্ব রি ল পু রু বো ০ ত্ত ম

I ঋ মা মা | মা ক্ষা মা I জ্ঞা মা জ্ঞা | ঋ সা সা I  
 কো ০ মু দী মা ঋে কো ০ মু দো প ম

I সা সা সা | সা সা সা I সা সা ঋ | জ্বর মজ্ব ঋ I  
 ০ ০ ০ ০ ০ ০ ছে ডে নি জ ০ ০০ কা

I সা সা সা | সা সা সা I সা সা সা | সা সা সা IIII  
 জে ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ এ সে

তমসা দূর হল অজানা পথিক এল সে যে চিরতরুণ।

শাশ্বত আলো জ্বালিয়ে দিল আজিকার নবরুণ ॥

ছিল আঁধারের পব আঁধার, আরো কাল অন্ধকার দৃষ্টি যেত না আর।

সবারে সরাল, জ্যোৎস্না ভরাল এ পথিক সুনিপুণ ॥

মাগুষ ছিল অসহায়, বৃষিত না কার কাছে যায়,

কী বা সে যে পেতে চায় ॥

গ্লানি সরাল প্রজ্ঞা ভরাল ফোটে অজ নোতুন ॥

( মধুকোরক, কলিকাতা, ৬২৯০ )

তাল : দাদরা

|    | ১        | ০        | ১ | ০                     |
|----|----------|----------|---|-----------------------|
| II | ধা সা সা | সা সা রা | I | গা পা পা   পা ধা পা I |
|    | ত মা সা  | দূ র হ   |   | ল ০ ০ ০ ০ ০           |
| I  | গা গা মা | গা গা গা | I | গা গা গা   গা গা গা I |
|    | ০ ০ ০    | ০ ০ ০    |   | ০ ০ ০ ০ ০ ০           |
| I  | গা গা রা | গা গা রা | I | রা সা সা   সা সা সা I |
|    | অ জা না  | প থি ক   |   | এ ল ০ ০ ০ ০           |
| I  | ধা সা সা | সা সা রা | I | গা পা পা   পা ধা পা I |
|    | সে যে চি | র ত ০    |   | রু ০ ০ ০ ০ ০          |
| I  | গা গা গা | গা গা গা | I | গা গা গা   গা গা গা I |
|    | ০ ০ ০    | ০ ০ ০    |   | ০ ০ ০ ০ ০ ০           |
| I  | পা ধা সা | সা সা সা | I | না না পা   ধা পা পা I |
|    | শা ০ খ   | ত আ লো   |   | জা লি য়ে ০ দি ল      |
| I  | সা রা গা | গা রা গা | I | রা সা সা   সা সা সা I |
|    | আ জি কা  | র ন বা   |   | রু ০ ০ ০ ০ ০ ০        |

|   |    |    |      |  |     |     |     |   |      |    |      |  |    |    |    |    |
|---|----|----|------|--|-----|-----|-----|---|------|----|------|--|----|----|----|----|
| I | ধা | সা | সা   |  | সা  | সা  | সা  | I | সা   | রা | গা   |  | গা | গা | গা | I  |
|   | আঁ | ধা | রে   |  | র   | প   | র   |   | আঁ   | ০  | ধা   |  | ০  | ০  | র  |    |
| I | গা | গা | মা   |  | গা  | রা  | মা  | I | গা   | গা | রা   |  | রা | রা | রা | I  |
|   | আ  | রো | কা   |  | লো  | অ   | ন্  |   | ধ    | ০  | কা   |  | ০  | ০  | র  |    |
| I | গা | গা | মা   |  | গা  | সা  | গা  | I | গা   | গা | রা   |  | রা | রা | রা | I  |
|   | দৃ | ০  | ষ্টি |  | যে  | ত   | না  |   | আ    | ০  | ০    |  | ০  | ০  | র  |    |
| I | পা | ধা | সাঁ  |  | সাঁ | সাঁ | রাঁ | I | না   | না | সাঁ  |  | না | ধা | পা | I  |
|   | স  | বা | রে   |  | স   | রা  | ল   |   | জ্যো | ৎ  | স্না |  | ভ  | রা | ল  |    |
| I | সা | রা | গা   |  | গা  | রা  | গা  | I | রা   | সা | সা   |  | সা | সা | সা | II |
|   | এ  | প  | থি   |  | ক   | স্ব | নি  |   | পু   | ০  | ০    |  | ০  | ০  | ণ  |    |

শাস্ত্রত আলো ... ..

|   |      |    |     |  |     |     |     |   |     |    |      |  |    |    |    |       |
|---|------|----|-----|--|-----|-----|-----|---|-----|----|------|--|----|----|----|-------|
| I | ধা   | সা | সা  |  | সা  | সা  | সা  | I | সা  | রা | গা   |  | গা | গা | গা | I     |
|   | মা   | হু | ষ   |  | ছি  | ল   | অ   |   | স   | ০  | হা   |  | ০  | ০  | য় |       |
| I | গা   | গা | মা  |  | গা  | রা  | মা  | I | গা  | গা | রা   |  | রা | রা | রা | ]Is   |
|   | বু   | ঝি | ত   |  | না  | কা  | র   |   | কা  | ছে | যা   |  | ০  | ০  | য় |       |
| I | গা   | গা | মা  |  | গা  | সা  | গা  | I | গা  | গা | রা   |  | রা | রা | রা | I     |
|   | কী   | বা | সে  |  | যে  | পে  | তে  |   | টা  | ০  | ০    |  | ০  | ০  | য় |       |
| I | পা   | ধা | সাঁ |  | সাঁ | সাঁ | রাঁ | I | না  | না | সাঁ  |  | না | ধা | পা | I     |
|   | স্না | ০  | নি  |  | স   | রা  | ল   |   | প্র | ০  | জ্ঞা |  | ভ  | রা | ল  |       |
| I | সা   | রা | গা  |  | গা  | রা  | গা  | I | রা  | সা | সা   |  | সা | সা | সা | II II |
|   | ফো   | টে | অ   |  | ব   | জ   | নো  |   | তু  | ০  | ০    |  | ০  | ০  | ০  |       |

শাস্ত্রত ... ..

( ৪৭৪২ )

তোমার মাঝারে কত মহাবিশ্ব নিহিত,  
তোমার বাহিরে কিছু নাই কিছু নাই।  
তোমার তরঙ্গে তব উত্তুল্লে সব কিছুকেই খুঁজে' পাই ॥  
অত্রকস্তব্ব কেলির কদম্ব, সবার অবলম্বন তুমি নিরালম্ব।  
কভু যমুনার তীরে কভু ভাবান্তঃপুরে যখন যদিকে তাকাই ॥  
প্রাণের স্পন্দনে রয়ে গেছ ওতঃপ্রোতে  
জীবনের ছন্দে রয়েছ নৃত্যে গীতে।  
হৃতাশেরই স্বননে ভবনার নিভূতে ভালবেসে' যার কাছে যাই ॥  
( মধুকোরক, কলিকাতা, ৬২৯০ )

তাল—কাহারবা

|     | ১'                          | ০'                          | ১'          | ০ |
|-----|-----------------------------|-----------------------------|-------------|---|
| II  | ক্কা া া া   া পা ক্কা পা । | পা ধা পা মা                 | গা মা রা গা | I |
|     | তো মা র মা ঝা রে ক ত        | ম হা বি ০                   | খ নি হি ত   |   |
| I   | সা রা রা রা   রা রা রা গা । | পা পা পা মা                 | গা মা রা গা | I |
|     | তো মা র বা হি রে কি ছু      | না ০ ০ ০                    | ০ ০ ০ ই     |   |
| I   | সা রা গা গা   গা গা গা গা । | ক্কা া া া   া পা ক্কা পা । |             | I |
|     | কি ছু না ০ ০ ০ ০ ই          | তো মা র ত র ০               | জে ০        |   |
| I   | পা ধা পা মা   গা মা রা গা । | সা রা া রা   রা রা রা গা ।  |             | I |
|     | ত ব উ ০ তু ঙ গে ০           | স ব কি ছু কে ই খুঁ জে       |             |   |
| I   | পা পা পা মা   গা মা রা গা । | সা রা গা গা   গা গা গা গা । |             | I |
|     | পা ০ ০ ০ ০ ০ ০ ই            | খুঁ জে পা ০ ০ ০ ০ ই         |             |   |
| II[ | সা সা সা সা   সা সা ন্ রা । | রা রা রা রা   রা ঝা রা রা ] | Is          |   |
|     | আ ত্র ০ ক্কা স্ত ম ভ ০      | কে লি র ক দ ম ব ০           |             |   |
| I   | না না না সা   রা রা গা গা । | রা পা পা মা   গা রা গা গা । |             | I |
|     | স বার অ ব ল ম ব ন           | তু মি নি রা ল ম ব ০         |             |   |

I ক্কা া া া | া পা ক্কা পা I পা ধা পা মা | গা মা রা গা I  
ক ভূ য মু না র তী রে ক ভূ ভা বা ন্ ত পু রে

I সা রা রা রা | রা রা রা গা I পা পা পা মা | গা মা রা গা II  
য খ ন যে দি কে তা ৩ কা ০ ০ ০ ০ ০ ০ ই

তোমার তরঙ্গে ... ..

II[ সা সা সা সা | সা সা না রা I রা রা রা পা | রা ঝা রা রা ]I  
প্রাণে ০ র স্প ন দ নে র য়ে গে ছ ও ত শ্রো তে

I না না না রা | রা রা গা মা I রা পা পা মা | গা রা গা গা I  
জী ব নে র ছ ন্ দে ০ র য়ে ছ ন্ ০ ত্যে গী তে

I ক্কা া া া | া পা ক্কা পা I পা ধা পা মা | গা মা রা গা I  
ছ তা শে রই স্ব ন ০ নে ভা ব না র নি ০ ভূ তে

I সা রা রা রা | রা রা রা গা I পা পা পা মা | গা মা রা গা II II  
ভা ল বে সে যা র কা ছে যা ০ ০ ০ ০ ০ ০ র

তোমার তরঙ্গে ... ..

( ৪৭৪৩ )

তোমার আশে রঙ যে হাসে, সবার মনে মনে,

তুমি শুণবে কি মোর গান, গান শুধু গান ।

প্রাণের মাঝে মনে নাচে অল্পরাগের টান ॥

গান সেধেছি রাতের শেষে নিশীথেরই ছুঃখের বেশে ।

অরুণ আলোয় ভুলতে ক্লেশে কর অবধান ॥

গান গেয়েছি সন্ধ্যাকাশে সব কিছুকেই ভালবেসে' ।

সে নূর তখন পরাগে ভাসে কেতকী সমান ॥

( মধুকোরক, কলিকাতা, ৭১২১০ )

তাল. দাদরা

|   |   |   |   |
|---|---|---|---|
| ১   | ০ | ১ | ০ |
| II পা া া   ক্রা ক্রা পা I পা া গা   পা মা গা I<br>তো মা র্ আ ০ শে র উ খে ০ হা সে     |   |   |   |
| I পা া া   মা গা া I রা গা সা   া া া I<br>স বা র্ ম ০ নে ম ০ নে ০ ০ ০                |   |   |   |
| I পা া া   া া া I মা রা গা   গা া সা I<br>০ তু মি শু ণ বে কি মো র্ গা ০ ন্           |   |   |   |
| II[ পা া মা   রা গা সা I পা া মা   রা গা সা II<br>গা ন্ শু ধু গা ন্ গা ন্ শু ধু গা ন্ |   |   |   |
| I পা া া   ক্রা া পা I পা গা পা   মা গা া I<br>গা নে র্ মা ০ বে ম নে ০ না ০ চে        |   |   |   |
| I গা া া   রগা গা সা II<br>অ লু রা গের্ টা ন্   |   |   |   |

“গান শুধু গান” (২ বার) গেয়

|  |  |  |  |
|--|--|--|--|
| II া সা া   রগা গপা মাগা I রা গা া   া া া I<br>০ গা ন্ সে ০ ০ ০ দেখি রা তে র্ শে ০ যে |  |  |  |
| I পা া া   ক্রা পা া I পা গা পা   মা গা া I<br>নি ০ শি থে র ই, জুঃ খে র্ রে ০ শে       |  |  |  |
| I পা া া ! ক্রা পা া I পা গা পা   মা গা া I<br>অ রু ণ্ আ লো য়্ ভূ ল তে ০ ক্রে শে      |  |  |  |
| I গা া া   রা গগা সা II<br>ক র অ ব খা ০ ন্   |  |  |  |

“গান শুধু গান” (২বার) গেয়

|  |  |  |  |
|--|--|--|--|
| II া সা া   রগগপা মা গা I রা গা া   া া া I<br>০ গা ন গে ০ ০ য়ে ছি স ক্র্যা ০ কা ০ শে |  |  |  |
|--|--|--|--|

I পা া া | ফা পা া | পা গা পা | মা গা া |  
 দ ব্ কি ছু কে ই ভা ল ০ বে ০ শে  
 I পা া া | ফা পা া | পা গা পা | মা গা া |  
 সে সু র্ ত খ ন্ প রা গে ০ ভা সে  
 I গা া া | রা গা সা ||  
 কে ত কী স মা ০ ন্

( ৪৭৪৪ )

কালসাগর পেরিয়ে ঘন তমসার পরে ।  
 বরণ করো এ নবাকরণকে যে দাঁড়াল আসিয়া দ্বারে ॥  
 কত রাত্রির তপস্শু, কত ঘোর অমাবস্তা ।  
 কত নিশা গেছে কেঁদে কেঁদে' ডেকে' আশুরী অত্যাচারে ॥  
 এই সুধাসুন্দ ভোরে গান গাও প্রাণ ভরে' ।  
 ঈশান বাজাল বজ্রবিষাণ আনো নবাকরণে ঘরে ॥

( মধুকোরক, কলিকাতা, ৮২।৯০ )

তাল : দাদরা

১' ০ ১' ০  
 II া ধা সা | া া রা | া া গা | পা া া | পধা পা া | গা া া |  
 ০ কা ল্ সা গ র্ পে ০ রি য়ে ০ ০ ০০ ০ ০ ০ ০ ০  
 I গা া া | া রা গা | রা া সা | া া া |  
 ঘ ন্ ত ম সা র্ প ০ রে ০ ০ ০  
 I পা ধা সা | া া া | না সা না | ধা পা া |  
 ব র গ ক রো এ ন বা রু গ কে যে  
 I সা রা গা | গা রা গা | রা া সা | া া া |  
 দাঁ ডা ল আ সি য়া দ্বা ০ রে ০ ০ ০

[ ৩১ ]

I গা া া | গা রা গা I রা া সা | া া া II  
 এ ০ ০ এ ০ ০ এ ০ ব ০ ০ ০

II[ ধা সা া | সমা সা রা I গা া া | া া া ]II  
 ক ত রা ত্রি ত ০ প ০ স্মা ০ ০ ০  
 আ ০ ০ আ ০ ০ ০ আ ০ ০ আ ০ ০

I গা া া | া রা গা I গা া সা | া া া I  
 ক ত ঘো র্ অ মা ব ০ স্মা ০ ০ ০

I পা ধা সী | া া া I না সী না | ধা পা া I  
 ক ত নি শা গে ছে কেঁ দে কেঁ দে ডে কে

I সা রা গা | গা রা গা I রা া সা | া া া II  
 আ স্ম রই অ ০ ত্যা ঠা ০ রে ০ ০ ০

“বরণ ... দ্বারে, এ ...এ”—গেয়

II া ধা ধা | ধা সা া I সা া রা | গা া া | া া া ]II  
 ০ এ ই স্ম ধা ০ স্ম ০ ন্দ ভো ০ রে ০ ০ ০  
 ০ আ ০ আ ০ ০ আ ০ ০ আ ০ ০ ০ ০ ০

I গা া া | গা রা গা I রা া সা | া া া I  
 গা ন গা ও প্রা ণ ভো ০ রে ০ ০ ০

I পা ধা সী | া া া I না সী না | ধা পা া I  
 ঈ শা ন্ বা জা ল ব ০ জ্ব বি ষা ণ্

I সা রা গা | গা রা গা I রা া সা | া া া III  
 আ নো ন বা রু ণে ঘ ০ রে ০ ০ ০

( ৪৭৪৫ )

তোমার আমার এই পরিচয় কবে থেকে' কে জানে।

জানে না বিধু-তারানিচয় কিসের টানে ॥

শুক্তি গুণেছি মুক্তা জ্ঞানে, মুক্তি খুঁজেছি জড়বন্ধনে।

ঝুন্ধি ভেবেছি রিক্তের স্থানে গেয়েছি ঝঙ্ক গানে ॥

তার পর এসে' আরো কাছাকাছি ব'ঝিলাম তুমি আছ আমি আছি।

দূরে থাক ভেবে' দূরে সরিয়েছি চেতনাস্পন্দনে ॥

( মধুকোরক, কলিকাতা, ৪।২।৯০ )

তাল -- কাহারী

| ১   | ০ | ১ | ০ |
|---|---|---|---|
| I] সা পা া মা । পা া া া । না পা া মা । ধা া া া II |   |   |   |
| তো মা র্ আ মা ০ ০ র্ এ ই প রি চ ০ ০ য্              |   |   |   |
| I গা মা পা মা । গা া া া । গা া া রা । গা া া রা I  |   |   |   |
| ক ০ বে থে কে ০ ০ ০ কে ০ ০ ০ জা ০ ০ ০                |   |   |   |
| I সা া া া । া া া া I                              |   |   |   |
| নে ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০                                    |   |   |   |
| I সা পা া মা । পা া া া । মা পা া মা । রা া া া I   |   |   |   |
| জা নে না বি ধু ০ ০ ০ তা ০ রা নি চ ০ ০ য্            |   |   |   |
| I গা মা পা গা । গা া া া I                          |   |   |   |
| কি সে র্ টা নে ০ ০ ০                                |   |   |   |
| I গা মা পা মা । গা া া া । গা মা পা মা । গা া া া I |   |   |   |
| কে ০ জা ০ নে ০ ০ ০ ক ০ বে থে কে ০ ০ ০               |   |   |   |
| I গা া া রা । গা া া রা I সা া া া । া া া া II     |   |   |   |
| কে ০ ০ ০ জা ০ ০ ০ নে ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০                  |   |   |   |

[ ৩৩ ]

II[ ১ রা ১ ১ | পা ১ মা পা ১ ১ ধা ১ না | পা ধা ১ ১ ]II  
 ০ শু ক তি গু ০ ণে ছি ০ মু জ্ঞা ০ জ্ঞা ০ নে ০  
 ০ আ ০ ০ আ ০ ০ ০ I ০ আ ০ ০ আ ০ ০ ০

I ১ ধা না সর্গা | না ১ ধা ১ পা ধা পা মা | গা ১ ১ ১ I  
 ০ মু ক্ তি খুঁ ০ জে ছি ০ জ ড় ব ন্ ধ ০ নে

I ১ গা ধা ধা | ধা না ১ ধা I ১ পা ধা পা | মা গা ১ ১ I  
 ০ ঝ ০ দ্বি ভে বে ০ ছি ০ ঝ ক্ তে র স্থা ০ নে

I ১ গা ১ মা | পা ১ ১ মা I গা ১ ১ ১ | মা গা রা ১ II  
 ০ গে য়ে ছি ঝ ০ ০ ক্ষ গা নে ০ ০ এ এ এ এ

“কে জানে ... কে জানে”—গেয়

II[ ১ রা ১ ১ | পা ১ মা পা I ১ ধা ১ না | পা ধা ১ ১ ]II  
 ০ তা র্ প র্ এ ০ সে ০ আ রো কা ছা ০ কা ছি  
 ০ আ ০ ০ আ ০ ০ ০ ০ আ ০ ০ আ ০ ০ ০

I ১ ধা ১ না | ধন নর্গা না ধা I ১ পা ধা পা | মা গা ১ ১ I  
 ০ বু ০ বি লা ০ ০ম্ তু মি ০ আ ছ আ মি ০ আ ছি

I ১ গা ধা ধা | ধা না ১ ধা I ১ পা ধা পা | মা গা ১ ১ I  
 ০ দূ রে থা ক ০ ভে বে ০ দূ রে স রি ০ য়ে ছি

I ১ গা ১ মা | পা ১ ১ মা I গা ১ ১ ১ | মা গা রা ১ III  
 ০ চে ত ন স্প ০ ন্ দ নে ০ ০ ০ এ এ এ এ

( ৪৭৪৬ )

আজকে তোমায় কাছে পেলুম।

এদিন কভু ভুলব না ভুলব না গো ভুলব না।

মিষ্টি চোখে চেয়ে হেসো, আর কিছু তো চাইব না ॥

আঁধার রাতে আলোর রেখা হুঃখে-স্থখে তুমিই সখা।

কোন কালেই নইকো একা, তাই কিছুতেই উরব না ॥

মেঘের ফাঁকে তাঁদের আলো মোর নয়নে লাগল ভালো।

তোমার আলোয় সরল কালো পথ চলতে টলব না ॥

( মধুকোরক, কলিকাতা, ৮২:৯০ )

ভাল—দাদরা

|    |          |  |           |  |          |  |           |
|----|----------|--|-----------|--|----------|--|-----------|
|    | ১'       |  | ০'        |  | ১'       |  | ০'        |
| II | ধা া পা  |  | ণা ধা া   |  | পা গা পা |  | মা গা া I |
|    | অ জ কে   |  | তো মা য্  |  | কা ছে ০  |  | পে লু ম্  |
| I  | গা া মা  |  | পা া ধা I |  | পা া মা  |  | গা া া I  |
|    | এ দি ন্  |  | ক ০ ভু    |  | ভু ল্ বো |  | না ০ ০    |
| I  | গা া মা  |  | পা ধা া I |  | পা া মা  |  | গা া া I  |
|    | ভু ল্ বো |  | না পো ০   |  | ভু ল্ বো |  | না ০ ০    |
| I  | ধা া পা  |  | ণা ধা া I |  | পা গা পা |  | মা গা া I |
|    | মি য্ টি |  | গো ০ খে   |  | চে য়ে ০ |  | হে ০ সো   |
| I  | গা া মা  |  | পা া ধা I |  | পা া মা  |  | গা া া II |
|    | আ র্ কি  |  | ছু তো ০   |  | চা ই বো  |  | না ০ ০    |

“ভুলবো ... .. ভুলবো না”—গেয়

|     |          |  |             |  |          |  |            |
|-----|----------|--|-------------|--|----------|--|------------|
| III | রা া া   |  | পা মা পা I  |  | ধা া পা  |  | ণা ধা া I] |
|     | অা ধা র্ |  | রা ০ তে     |  | আ লো র্  |  | রে ০ খা    |
|     | আ ০ ০    |  | আ ০ ০       |  | আ ০ ০    |  | আ ০ ০      |
| I   | ধা া না  |  | সাঁ া রাঁ I |  | সাঁ া গা |  | গা া ধা I  |
|     | ছ : খে   |  | সু ০ খে     |  | ভু মি ই  |  | স ০ খা     |
| I   | ধা া পা  |  | না ধা া I   |  | পা গা পা |  | মা গা া I  |
|     | কো নো ০  |  | কা লে ই     |  | ন ই কো   |  | এ ০ কা     |
| I   | গা া মা  |  | পা া ধা I   |  | পা া মা  |  | গা া া II  |
|     | তা ই কি  |  | ছু তো ই     |  | ভ র্ বো  |  | না ০ ০     |

“ভুলবো ... .. ভুলবো না”—গেয়

|     |         |  |            |  |           |  |            |
|-----|---------|--|------------|--|-----------|--|------------|
| II[ | রা া া  |  | পা মা পা I |  | ধা া পা   |  | ণা ধা া II |
|     | মে খে র |  | ফাঁ কে ০   |  | চাঁ দে র্ |  | আ ০ লো     |
|     | আ ০ ০   |  | আ ০ ০      |  | আ ০ ০     |  | আ ০ ০      |

I ধা া না | সা া রা | সা া া | গা া ধা |  
 মো র ন য নে ০ লা গ্ লো ভা ০ লো  
 I ধা া পা | গা ধা া | পা গা রা | মা গা া |  
 তো মা র্ আ লো য্ স র্ লো কা ০ লো  
 I গা া মা | পা া ধা | পা া মা | গা া া || I  
 প থ্ চ ল্ তে ০ ট ল্ বো না ০ ০

( ৪৭৪৭ )

তোমারে দেখেছি মর্মেরই মাঝে,  
 তবু ডেকে' গেছি যদি না তাকাও মোর পানে ।  
 কেঁদেছি হেসেছি কাজ করে' গেছি,  
 পুলকে মেতেছি তুমি কাছে আছ জেনে' ॥  
 দেখেছি পূর্ণিমতে জ্যোৎস্নায় ধোয়া রতে ।  
 চেয়েছি ধরিতে চকোরেরই সম টানে ॥  
 দেখেছি অরুণপ্রাতে, আলোর বলকানিতে ।  
 চেয়েছি বৃষিতে কেকা-কোকিলেরই গানে ॥

( মধুকোরক, কলিকাতা, ৯২।৯০ )

তাল—দাদরা

|    |    |    |    |  |    |    |    |   |     |    |    |  |    |   |   |   |
|----|----|----|----|--|----|----|----|---|-----|----|----|--|----|---|---|---|
|    | ১' |    | ০  |  | ১' |    | ০  |   |     |    |    |  |    |   |   |   |
| II | সা | গা | া  |  | মা | পা | মা |   | গা  | া  | া  |  | া  | া | া | I |
|    | তো | মা | রে |  | ০  | দে | খে |   | ছি  | ০  | ০  |  | ০  | ০ | ০ |   |
| I  | গা | মা | পা |  | ধা | া  | া  | I | পমা | গা | মা |  | গা | া | া | I |
|    | ম  | র্ | নে |  | রই | ০  | ০  |   | মা  | ০  | ০  |  | ঝে | ০ | ০ |   |
| I  | সা | পা | া  |  | পা | ধা | পা | I | মা  | া  | া  |  | া  | া | া | I |
|    | ত  | বু | ডে |  | কে | ০  | গে |   | ছি  | ০  | ০  |  | ০  | ০ | ০ |   |

[ ৩৬ ]

II{ পধা পধা পা । মা গা ঠ । গা রা গা । পা ঠ ঠ }II  
 য০ দি০ না তা কা ও মো র্ পা নে ০ ০

I সা পা ঠ । পা ধা পা I মা ঠ ঠ । ঠ ঠ ঠ I  
 কেঁ দে ছি হে ০ সে ছি ০ ০ ০ ০ ০

I সা মা ঠ । মা পা মা I গা ঠ ঠ । ঠ ঠ ঠ I  
 কা জ্ ক রে ০ গে ছি ০ ০ ০ ০ ০

I সা গা ঠ । গা মা গা I রা ঠ ঠ । ঠ ঠ ঠ I  
 পু ল কে মে ০ তে ছি ০ ০ ০ ০ ০

I পা ধা পা । মা গা ঠ I পা রা গা । পা ঠ ঠ II  
 তু মি কা ছে আ ছ জে ০ ০ নে ০ ০

“যদি ... .. পানে” (২ বার গের)

II[ সা পা ঠ । পা ধা পা I মা ঠ ঠ । ঠ ঠ ঠ ]II  
 দে খে ছি পু র্ গি মা ০ তে ০ ০ ০  
 আ ০ ০ আ ০ ০ আ ০ ০ আ ০ ০

I সা মা ঠ । মা পা মা I গা ঠ ঠ । ঠ ঠ ঠ I  
 জ্যো ৎ স্না য্ ধো রা রা ০ তে ০ ০ ০

I সা গা ঠ । গা মা গা I রা ঠ ঠ । ঠ ঠ ঠ I  
 চে য়ে ছি ধ ০ রি তে ০ ০ ০ ০ ০

I পা ধা পা । মা গা ঠ I গা রা গা । পা ঠ ঠ II  
 চ কো রে রই স ম টা ০ ০ নে ০ ০

“যদি ... .. পানে”—(২বার গের)

II{ সা পা ঠ । পা ধা পা I মা ঠ ঠ । ঠ ঠ ঠ }II  
 দে খে ছি অ রু ণ শ্রা ০ তে ০ ০ ০  
 আ ০ ০ আ ০ ০ আ ০ ০ আ ০ ০

I সা মা ঠ । মা পা মা I গা ঠ ঠ । ঠ ঠ ঠ I  
 আ লো র ষ ল্ কা নি ০ তে ০ ০ ০

I সা গা া | গা মা গা I রা া া | া া া I  
 চে য়ে ছি বু ০ ঝি তে ০ ০ ০ ০ ০

I পা ধা পা | মা গা া I গা রা গা | পা া া III  
 কে কা কো কি লে রই গা ০ নে ০ ০ ০

( ৪৭৪৮ )

তুমি যদি না এলে প্রিয় কার তরে মালা গাঁথা ।  
 কেন এ বেদী সাজানো স্বাগত-গীতি সাধা ॥  
 তোমারই কথা শুনে মন হয়েছে উতলা,  
 প্রতিটি পলক শুনে' হয়েছে আপন-ভোলা ।  
 না চাও না এস তুমি শুধু শুণো মোর ইতিকথা ॥  
 শেফালী কেঁদে' কেঁদে' ঝরেছে ধরণীতে,  
 বকুল ব্যাকুল হয়ে কী যেন চাহে কহিতে ।  
 নিষ্ঠুর বা দয়ালু যা হও মনে রেখো আমার ব্যথা ॥

( মধুকোরক, কলিকাতা, ৯২/৯০ )

তাল—দাদরা

II<sub>1</sub> সা া রা | সা া না I সা গা া | রা মা গা ]II  
 তু ০ মি য ০ দি না এ ০ লে প্রি য

( বিঃ, জঃ, বিঃ—গেয়

I পা া া | পা া া I পা গা পা | মা গা া I  
 কা ০ র্ ত ০ রে মা লা ০ গাঁ ০ থা

I সা রা না | সা া গা I রা মা া | গা া া I  
 কে ন এ বে ০ দী সা ০ জা নো ০ ০

I সা রা না | সা গা রা I মা গা া | া া া II  
 স্বা গ ত গী ০ তি সা ০ ধা ০ ০ ০

“তুমি ... .. প্রিয়”- গেয়

[ ৩৮ ]

II সা গা পা | পা া া I ক্ষা া পা | মমা গগা সসা I  
 তো মা রই ক ০ থা শু ০ গে ০০ ০০ ০০

I গগা মমা ধপা | া া া I  
 ০০ ০০ ০০ ০ ০ ০

I সা গা পা | পা া া I ক্ষা া পা | া া া I  
 তো মা রই ক ০ থা শু ০ গে ০ ০ ০  
 ( বিঃ, দ্রঃ, বিঃ, আঃ, বিঃ—গেয় )

I পা া া | া া া I পা গা পা | মা গা া I  
 ম ন হ যে ছে ০ উ ০ ত লা ০ ০

J পা া া | পা গা পা I মা গা া | া া া I  
 প্রা তি টি প ল্ ০ ক্ গু গে ০ ০ ০

I সা রা ন্ | সা গা রা I মা গা া | া া া II  
 হ যে ছি আ প ন ভো ০ লা ০ ০ ০  
 “তুমি .... প্রিয়”—গেয়

II( সা গা পা | পা া া I ক্ষা া পা | মমা গগা সসা I  
 না চা ও না এ স তু ০ মি ০০ ০০ ০০

I গগা মমা ধপা | পা া া I  
 ০০ ০০ ০০ ০ ০ ০

I সা গা পা | পা া া I ক্ষা া পা | া া া I  
 না চা ও না এ স তু ০ মি ০ ০ ০  
 ( বিঃ, দ্রঃ, বিঃ—গেয় )

I পা া া | া া া I পা গা পা | মা গা া II  
 শু ধু শু নো মো র্ ই তি ০ ক ০ থা  
 “তুমি .... প্রিয়”—গেয়

II( সা গা পা | পা া া I ক্ষা পা া | া া া I  
 শে ০ ফা লী ০ ০ কে ০ দে কে ০ দে

I মমা গগা সসা | গগা মমা ধপা I পা ঠ ঠ ঠ | ঠ ঠ ঠ I  
 ০০ ০০ ০০ ০০ ০০ ০০ ০ ০ ০ ০ ০ ০

I সা গা পা | পা ঠ ঠ I ফা ঠ পা | ঠ ঠ ঠ I  
 শে ০ ফা লী ০ ০ কে ০ দে কে ০ দে

I ঠ ঠ ঠ | ঠ ঠ ঠ II  
 ০ ০ ০ ০ ০ ০

( বিঃ, ড্রঃ, বিঃ, আঃ গেয় )

II পা ঠ ঠ | পা গা পা I মা গা ঠ | ঠ ঠ ঠ I  
 ঝ রে ছে ধ র ০ গী ০ তে ০ ০ ০

II পা ঠ ঠ | পা গা পা I মা গা ঠ | ঠ ঠ ঠ I  
 ব কু ল ব্যা ০ কু ল হ য়ে ০ ০ ০

I সা রা ঠ | ঠ ঠ ঠ I সা গা রা | মা ঠ গা I  
 কী ০ যে ন ০ ০ চা হে ক হি ০ তে

I সা গা পা | পা ঠ ঠ I ফা ঠ পা | মমা গগা সসা I  
 নি ঠুর বা দ য়া লু যা হ ও ০০ ০০ ০০

I গগা মমা ধপা | ঠ ঠ ঠ I  
 ০০ ০০ ০০ ০ ০ ০

I সা গা পা | পা ঠ ঠ I ফা ঠ পা | ঠ ঠ ঠ I  
 নি ঠুর বা দ য়া লু যা হ ও ০ ০ ০

I সা ঠ রা | সা ঠ না I সা গা ঠ | রা মা গা II II  
 ম ০ নে রে ০ খো আ ০ মা র্ বা থা

গোপীজনবল্লভ মেল আখিপল্লব তোমার তরে বসে' আছি !  
 তুমি সাগরের মণি মর্মে তুলেছ ধ্বনি তব করুণার কণা যাচি ॥  
 তোমার লীলার স্থান শুধু কি বৃন্দাবনে,  
 নেচে' চলেছে তুমি মনুজের মনে মনে ।  
 কখনো প্রকাশে কভু সংগোপনে সবাই তোমাতে খুঁজি ॥  
 মন-বৃন্দাবনে রয়েছ মন-গোকুলে,  
 তোমার নূপুর তলে অতল নীরধি দোলে ।  
 তোমার অধর-বেগু চরণধূলির রেণু পেতে চাই কাছাকাছি ॥

তাল : কাহারবা

|   |    |    |    |    |
|---|----|----|----|----|
|   | ১  | ০  | ১  | ০  |
| I | সা | রা | গা | রা |
| I | গা | পী | জ  | ন  |
| I | সা | রা | গা | রা |
| I | তো | মা | র  | ত  |
| I | সা | রা | গা | রা |
| I | গো | পী | জ  | ন  |
| I | গা | পা | মা | গা |
| I | তু | মি | সা | গা |
| I | সা | রা | গা | রা |
| I | ত  | ব  | ক  | রু |

“তোমার ... আছি”—গেয়

|    |    |    |    |    |
|----|----|----|----|----|
| II | সা | রা | গা | রা |
| I  | তো | মা | র  | লী |
| I  | মা | রা | গা | রা |
| I  | নে | চে | চ  | লে |

I পা া া া | া া া া I মা া া া | া া গা া I  
ক খ নও প্র কা e শ্রো ০ ক ভু স ং গো প নে ০

I গা পা মা া | গা রা সা রা I গা া া া | া া া া II  
স বা ই তো মা রে খু ০ জি ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০  
“তোমার ... আছি,, গেয়

II সা রা া া | া া া া I া সা রা গা | রা গা া া I  
ম ন র্ ন্ দা ০ ব নে র য়ে ছ ম ন গো কু লে

I মা া া া | া া া গা I রা গা রা পা | া া া া I  
তো মা র হু পু র্ তা লে অ ত ল নি রো ধি দো লে

I পা া া া | া া া া I মা া া া | া া গা া I  
তো মা র্ অ ষ র্ বে গু চ র ণ ধু লি র্ রে গু

I গা পা মা া | গা রা সা রা I গা া া া | া া া া III  
পে তে চা য কা ০ ছা কা ছি ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০

( ৪৭৫০ )

ভ্রমর আসিয়া কয়ে গেল কাণে এ মধুমাস আর আসিবে না ।  
বাজে কথা ছাড় কাজে নেবে পড় স্ততীর কর সাধনা ॥  
ঘুমায়ে কাটায়েছ কতকাল, বৃথা চলে' গেছে সন্ধ্যা-সকাল ।  
ছবছ এ রবি আসিবে না কাল, কেউ বিবর্তনে রোধে না ॥  
আজ অরণ্যচলে যে রবি জাগল তারই রশ্মিতে স্নান সেরে' ফেল ।  
কালকের কাজে আজ যে এগুলো তার মধুমাস ফরাবে না ॥

( মধুকোরক, কলিকাতা, ১০২১২০ )

তাল : দাদারা

II( পা া া া | া া া I পা া া গা | পা মা গা I  
অ ম র্ আ সি য়া ক য়ে গে ল কা নে

II{ গা পা মা | গা রা গা । সা রা গা | রা সা ঠ I  
 এ ম ধু মা স্ আর আ সি বে না ০ ০

I গা ঠ রা | গা ঠ রা I সা ঠ ঠ | ঠ ঠ ঠ I  
 না ০ ০ না ০ ০ না ০ ০ ০ ০ ০

I গা পা মা | গা রা গা I সা রা গা | রা সা ঠ }II  
 এ ম ধু মা স্ আরু আ সি বে না ০ ০

I পা ঠ ঠ | ঠ ঠ ঠ I পা ধা পা | মা গা ঠ I  
 বা জে ক থা ছা ড় কা জে নে বে প ড়

I গা পা মা | গা রা গা I সা রা গা | রা সা ঠ II  
 হু তী ০ ত্র ক র সা ০ ধ না ০ ০

“এ মধুমাস ... .. না” গেষ

II{ সা রা পা | মা গা ঠ I রা গা ঠ | ঠ ঠ ঠ ]II  
 ঘু মা য়ে কা টা য়ে ছ ০ ক ত কা ল্  
 আ ০ ০ আ ০ ০ আ ০ ০ আ ০ ০

I পা ঠ ঠ | ঠ ঠ ঠ I পা গা পা | মা গা ঠ I  
 ব থা চ লে গে ছে স ন ধ্যা স কা ল্

I পা ঠ ঠ | ঠ ঠ ঠ I পা গা পা | মা গা ঠ I  
 ছ ব ছ এ র বি আ সি বে না কা ল্

I গা পা মা | গা রা গা I সা রা গা | সা ঠ ঠ II  
 কে উ বি ব র ত নে রো ধে না ০ ০

“এ মধুমাস .... .. না” গেষ

II{ সা রা পা | মা গা ঠ I রা গা ঠ | ঠ ঠ ঠ }II  
 আ জ্ অরু গা চ লে য়ে র বি জা গ্ ল  
 আ ০ ০০ আ ০ ০ আ ০ ০ আ ০ ০

|   |    |    |    |  |    |      |    |   |      |    |    |  |    |    |   |      |
|---|----|----|----|--|----|------|----|---|------|----|----|--|----|----|---|------|
| I | পা | া  | া  |  | া  | া    | া  | I | পা   | গা | পা |  | মা | গা | া | I    |
|   | তা | র  | ই  |  | র  | শ্মি | তে |   | শ্মা | ন্ | সে |  | রে | ফে | ল |      |
| I | পা | া  | া  |  | া  | া    | া  | I | পা   | গা | পা |  | মা | গা | া | I    |
|   | কা | ল্ | কে |  | র্ | কা   | জে |   | আ    | জ  | যে |  | এ  | গো | ল |      |
| I | গা | পা | মা |  | গা | রা   | গা | I | সা   | রা | গা |  | সা | া  | া | IIII |
|   | তা | র্ | ম  |  | ধু | মা   | স্ |   | ফু   | রা | বে |  | না | ০  | ০ |      |